॥ श्री कार्तिकेय जी व्रत कथा ॥

कार्तिकेय जी का स्मरण मन में साहस, बुद्धि और आत्मविश्वास जगाता है।

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री कार्तिकेय जी व्रत कथा ॥

प्राचीन समय में एक नगर में धनपति नाम का एक व्यापारी रहता था। उसके पास धन-धान्य की कोई कमी नहीं थी, परंतु उसे संतान सुख प्राप्त नहीं था। वह और उसकी पत्नी सदैव दुःखी रहते थे। अनेक पूजा-पाठ और यज्ञ करने पर भी उन्हें संतान की प्राप्ति नहीं हुई।

एक दिन एक महात्मा उनके घर आए। व्यापारी ने उनका आदर-सत्कार किया और अपनी पीड़ा बताई। तब महात्मा ने कहा—

“यदि तुम श्रद्धा और नियमपूर्वक भगवान कार्तिकेय का व्रत करोगे, तो तुम्हारी मनोकामना अवश्य पूर्ण होगी।”

महात्मा के बताए अनुसार व्यापारी और उसकी पत्नी ने प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को भगवान कार्तिकेय का व्रत करना आरंभ किया। वे प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते, भगवान कार्तिकेय की पूजा करते, दीप जलाते और कथा सुनते।

कुछ समय बाद भगवान कार्तिकेय की कृपा से उन्हें एक तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति हुई। उनका घर सुख-समृद्धि से भर गया। व्यापारी ने भगवान का धन्यवाद किया और जीवनभर श्रद्धा से व्रत करता रहा।

धीरे-धीरे यह बात पूरे नगर में फैल गई। जो भी श्रद्धा से भगवान कार्तिकेय का व्रत करता, उसकी मनोकामनाएँ पूर्ण होने लगीं। लोगों के दुख दूर हुए, घरों में सुख-शांति आने लगी।

इस प्रकार भगवान कार्तिकेय का व्रत करने से संतान सुख, साहस, यश, विद्या और सफलता की प्राप्ति होती है।

व्रत का महत्व

संतान प्राप्ति के लिए शुभ
भय और बाधाओं का नाश
साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि
परिवार में सुख-शांति और समृद्धि

व्रत पूजन की सरल विधि

प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें।
भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।
फूल, धूप, दीप, अक्षत और फल अर्पित करें।
"ॐ स्कन्दाय नमः" मंत्र का जाप करें।
व्रत कथा सुनें या पढ़ें।
अंत में आरती कर प्रसाद वितरित करें।

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"